पाठ–30 सातवाँ आठवाँ...

द्रोणाचार्य और विराटराज में भयंकर युद्ध और अर्जुन के विरुद्ध स्वयं भीष्म का डटे रहना युद्ध का आकर्षण बने रहे।

आठवें दिन के युद्ध में अर्जुन और नागकन्या से उत्पन्न पुत्र इरावान का वध हो गया था जिसने अर्जुन को बहुत कष्ट पहुँचाया था।

इरावान के अंत होने का समाचार पाते ही घटोत्कच भयंकर गर्जना के साथ कौरव सेना पर टूट पड़ा।